कुल मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 3

MHD-22

हिन्दी में स्नातकोत्तर उपाधि (एम.ए.हिन्दी)

(एम.एच.डी.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2024

एम.एच.डी. -22 : कबीर का विशेष अध्ययन

समय : 2 घण्टे *अधिकतम अंक : 50*

***नोट : प्रथम** प्रश्न अनिवार्य है। शेष में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

---

1. निम्नलिखित पद्यांशों में से किन्हीं **दो** की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए : 2×10=20

(क) हम तुम मांहे एकै लोहू, एकै प्रान जीवन है मोहू।
एक ही बास रहै दस मासा, सूतक पातग एकहि आसा।
एक ही जननी जन्यां संसारा, कौन ग्याँन थै भये निनारा॥

(ख) चली है कुलबोरनी गंगा नहाय।
सतुवा कराइन बहुरी भुजाइन
घूघट ओटैं भसकत जाय।
पाँच पचीस कै धक्का खाइन
नौ मन मैल है लीन्ह चढ़ाय॥

(ग) कहा नर गरवसि थोरी बात।

मन दस नाज, टका दस गँठिया, टेढौ टेढौ जात॥

कहा लै आयौ यहु धन कोऊ, कहा कोऊ लै जात।

दिवस चारि की है पतिसाही, ज्यूं बनि हरियल पात॥

राज भयौ गाँव सौ पाये, टका लाख दस बात

रावन होत लंका को छत्रपति, पल मैं गई बिहात॥

(घ) संतौ भाई आई ग्यान की आँधी रे।

भ्रम की टाटी सबै उड़ाँणी, माया रहै न बाँधी॥

हिति चित की द्वै थूँनी गिराँनी, मोह बलिंडा तूटा।

त्रिस्नाँ छाँनि परो घर ऊपरि, कुबधि का भाँडां फूटा॥

2. भारतीय नवजागरण में कबीर चेतना की भूमिका का आकलन कीजिए। 10

3. 'संधा भाषा' स्वरूप स्पष्ट कीजिए। कबीर की कविता में यह किस अर्थ और रूप में प्रस्तुत हुई है ? 10

4. कबीर की कविता में धार्मिक बाह्याचारों के विरोध पर टिप्पणी लिखिए। 10

5. कबीर की सामाजिक चेतना पर प्रकाश डालिए। 10

6. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए : $5 \times 2 = 10$

(क) कबीर की भाषा की काव्यात्मकता के स्रोत

(ख) नारी के विषय में कबीर का दृष्टिकोण

(ग) कबीर की भाषा का व्याकरणिक स्वरूप

(घ) कबीर की शास्त्रीयता बनाम लोक